ORAL ANSWERS TO STARRED QUESTIONS AND SUPPLEMENTARY QUESTIONS AND ANSWERS THEREON

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF HOME AFFAIRS

RAJYA SABHA
STARRED QUESTION NO. 16

TO BE ANSWERED ON THE 24TH JULY, 2024/ SRAVANA 2, 1946 (SAKA)

TOURISM IN U.T. OF JAMMU AND KASHMIR

***16 # DR. DINESH SHARMA:**

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the tourism sector in U.T. of Jammu and Kashmir has grown rapidly after August, 2019;

(b) if so, the details thereof;

(c) the efforts that are being made by Government to develop tourism in U.T. of Jammu and Kashmir; and

(d) the outcomes thereof?

ANSWER

MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(SHRI NITYANAND RAI)

(a) to (d) A statement is laid on the table of the house.

R.S.S.Q.NO. *16 FOR 24.07.2024

POSITION NO. 1

STATEMENT IN REPLY TO THE RAJYA SABHA STARRED QUESTION NO. 16 FOR ANSWER ON 24TH JULY 2024.

(a) & (b) **The tourism sector in the UT of Jammu and Kashmir has witnessed unprecedented growth post abrogation of Art 370. The details of total tourist visits, year-wise as under:**

Year	Total Tourist Visits
2020*	34,70,834
2021	1,13,14,884
2022	1,88,64,332
2023	2,11,24,674
2024	1,08,41,009 (till June,2024)

Source: Government of Union Territory of J&K
**** Due to COVID, the footfall witnessed a decline.***

(c) **The Government of Jammu and Kashmir has reported that several measures have been taken that led to significant improvement in the tourism sector such as:**

i. **The Government has notified Jammu and Kashmir Tourism Policy-2020.**

ii. **Provided the status of industry to the Tourism Sector for availing incentives under the Jammu and Kashmir Industrial Policy- 2021.**

iii. **Notified the Homestay guidelines to accommodate increasing number of tourists and to give benefits to the locals from the economic gains of the Tourism Sector.**

iv. **The Government has notified Jammu and Kashmir Film Policy- 2021.**

v. **Notified Houseboat Policy - 2020.**

vi. **Identified 75 off-beat destinations.**

vii. **Border Tourism has picked up in J&K and hitherto unknown locations have been opened up for tourism viz. Gurez, Keran, Teetwal and R S Pura.**

viii. **UT of J&K is also emerging in adventure and Golf tourism.**

ix. **The Government of Jammu and Kashmir has undertaken various infrastructure projects to boost the tourism sector.**

x. **UT of J&K is emerging as an international tourist destination after successful hosting of major events such as the 3rd G-20 Tourism Working Group Meeting.**

xi. **Modern infrastructure and growing number of luxury hotels and resorts make J&K a prime location for destination weddings and MICE (Meetings, Incentives, Conferences and Exhibitions) tourism.**

(d) The Government of Jammu and Kashmir has reported that due to above initiatives, the contribution of Tourism in Gross State Domestic Product (GSDP) has increased from 7.84% in FY 2019-20 to 8.47% in FY 2022-23. The tourism sector has recorded an annual average growth rate of 15.13% during the last 03 years.

*****

भारत सरकार
गृह मंत्रालय
राज्य सभा
तारांकित प्रश्न संख्या 16
दिनांक 24 जुलाई, 2024 / 02 श्रावण, 1946 (शक) को उत्तर के लिए

संघ-राज्य क्षेत्र जम्मू और कश्मीर में पर्यटन

***16# डा. दिनेश शर्मा:**

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या संघ-राज्य क्षेत्र जम्मू और कश्मीर में अगस्त, 2019 के बाद से पर्यटन क्षेत्र में तेजी से वृद्धि हुई है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) सरकार द्वारा संघ-राज्य क्षेत्र जम्मू और कश्मीर में पर्यटन के विकास के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं; और
(घ) इसके क्या परिणाम प्राप्त हुए हैं?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री नित्यानंद राय)

(क) से (घ): एक विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

POSITION NO. 1

दिनांक 24 जुलाई, 2024 को राज्य सभा में उत्तर के लिए तारांकित प्रश्न संख्या *16 के संबंध में विवरण।

(क) और (ख): अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद संघ राज्य क्षेत्र जम्मू और कश्मीर में पर्यटन क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। पर्यटकों की यात्रा का वर्ष-वार विवरण निम्नानुसार है:

वर्ष	कुल पर्यटक
2020*	34,70,834
2021	1,13,14,884
2022	1,88,64,332
2023	2,11,24,674
2024	1,08,41,009 (जून तक)

स्रोत: संघ राज्य क्षेत्र जम्मू और कश्मीर सरकार

* COVID-19 के कारण, पर्यटकों की संख्या मे गिरावट देखी गई।

(ग) संघ राज्य क्षेत्र जम्मू और कश्मीर सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए सरकार द्वारा कई कदम उठाये गए हैं जिससे पर्यटन क्षेत्र मे महत्वपूर्ण सुधार हुए हैं, जिनका विवरण इस प्रकार है:

i. सरकार द्वारा जम्मू और कश्मीर पर्यटन नीति- 2020 को अधिसूचित किया गया।
ii. जम्मू और कश्मीर औद्योगिक नीति-2021 के तहत प्रोत्साहन प्राप्त करने के लिए पर्यटन क्षेत्र को उद्योग की स्थिति प्रदान की गई।
iii. पर्यटकों की बढ़ती संख्या को समायोजित करने और पर्यटन क्षेत्र के आर्थिक लाभ से स्थानीय लोगों को लाभान्वित करने के लिए होमस्टे दिशानिर्देशों को अधिसूचित किया गया।
iv. जम्मू और कश्मीर सरकार द्वारा फिल्म नीति- 2021 को अधिसूचित किया गया।
v. हाउसबोट नीति - 2020 अधिसूचित की गई ।
vi. 75 ऑफ बीट गंतव्यों की पहचान की गई।
vii. जम्मू-कश्मीर में बॉर्डर टूरिज्म बढ़ा है और अब तक पर्यटन के लिए अज्ञात स्थान जैसे कि गुरेज़, केरन, टीटवाल और आरएस पुरा को पर्यटन गंतव्यों की सूची मे शामिल किया गया है।

viii. संघ राज्य क्षेत्र जम्मू और कश्मीर साहसिक और गोल्फ पर्यटन में भी उभर रहा है।

ix. जम्मू और कश्मीर सरकार ने पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाएं कार्यान्वित की है ।

x. तीसरी G-20 टूरिज्म वर्किंग ग्रुप मीटिंग जैसे प्रमुख कार्यक्रमों की सफल मेजबानी के बाद संघ राज्य क्षेत्र जम्मू और कश्मीर एक अंतरराष्ट्रीय पर्यटक गंतव्य के रूप में उभर रहा है।

xi. आधुनिक बुनियादी ढांचे और लक्जरी होटलों और रिसॉर्ट की बढ़ती संख्या जम्मू और कश्मीर को डेस्टीनेशन वेडिंग और एमआईसीई (MICE) (बैठक, इंसेंटिव, सम्मेलन और प्रदर्शनी) पर्यटन के लिए एक प्रमुख स्थान बनाती है।

(घ) संघ राज्य क्षेत्र जम्मू और कश्मीर सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार उपरोक्त पहलों के कारण, सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) में पर्यटन का योगदान वित्त वर्ष 2019-20 में 7.84% से बढ़कर वित्त वर्ष 2022-23 में 8.47% हो गया है। पर्यटन क्षेत्र ने पिछले 03 वर्षों के दौरान 15.13 प्रतिशत की वार्षिक औसत वृद्धि दर दर्ज की है।

****

MR. CHAIRMAN: Question No.16. Supplementary No.1, Dr. Dinesh Sharma.

डा. दिनेश शर्मा: महोदय, क्या जम्मू-कश्मीर में प्रधानमंत्री पैकेज लागू किया गया है? क्या उससे जम्मू-कश्मीर के विकास को गति मिल पा रही है और अभी स्थिति क्या है, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं।

श्री नित्यानन्द राय: महोदय, ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Mr. Saket, I will name you now. Don't disturb the House. It is going peacefully. ...*(Interruptions)*... No, please. ...*(Interruptions)*... I will request the floor leader to control the Member. Please.

श्री नित्यानन्द राय: महोदय, जम्मू-कश्मीर के लिए प्रधानमंत्री पैकेज 2015 से प्रारंभ किया गया और इसके तहत भारत सरकार के 15 मंत्रालयों द्वारा 58,477 करोड़ का प्रावधान करके वहां के विकास को गति दी जा रही है। उसमें 53 परियोजनाओं को चालू किया गया और उसमें 35 परियोजनाएं पूरी हो गई हैं या पूरी होने की स्थिति में आ गई हैं। सर, इन 53 परियोजनाओं से वहां के विकास को गति मिली है, उसमें बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, कृषि और कौशल विकास आदि के क्षेत्र शामिल हैं।

महोदय, विकास पैकेज न केवल तत्काल जरूरतों को पूरा कर रहा है, बल्कि क्षेत्र में सतत विकास और स्थिरता का आधार भी बन रहा है। वहां पीएमडीपी योजना के तहत एम्स, आईआईएम-जम्मू, आईआईटी-जम्मू, व्यापक बाढ़ प्रबंधन कार्यक्रम, झेलम, चेनानी-नाशरी खंड सुरंग परियोजना, काजीगुंड-बनिहाल खंड सुरंग परियोजना आदि जैसी प्रमुख परियोजनाओं को पूरा किया गया है। इसके साथ ही पीओजेके से विस्थापित और वैस्ट पाकिस्तान से आए हुए शरणार्थियों को भी इस पैकेज का लाभ मिल रहा है।

श्री सभापति: सेकेंड सप्लीमेंटरी, डा. दिनेश शर्मा। And you should be satisfied with the first. Second supplementary.

डा. दिनेश शर्मा: सर, मैं गृहमंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा कि उन्होंने शांति बहाली और बेरोजगारी दूर करने के लिए काम किया। मेरा दूसरा प्रश्न है कि छह हजार कश्मीरी पंडितों को नौकरी और आवास देने के संबंध में क्या प्रगति हुई है?

श्री सभापति: माननीय मंत्री जी। It is a pointed question.

श्री नित्यानन्द राय: महोदय, यह दुर्भाग्य रहा है कि एक समय में कश्मीर में हिंदुओं को बहुत प्रताड़ित किया गया। इतनी आपराधिक घटनाएं हुईं, हत्याएं भी बड़ी तादाद में हुईं, आगजनी हुई, महिलाओं के साथ बलात्कार हुए और एक साजिश के तहत, जिनको वोट से मतलब था, जिन्होंने

घिनौनी राजनीति को आधार बनाया, ऐसे लोगों के कारण वहां के कश्मीरी पंडितों का पलायन हुआ था। सर, जैसे माननीय सदस्य का क्वेश्चन है कि वहां छह हजार ट्रांजिट आवास बनाए गए हैं। कश्मीर में पीएम पैकेज के तहत लगे कश्मीरी विस्थापित सरकारी कर्मचारियों को समानियोजित करने के लिए भारत सरकार ने 2015 के दौरान कश्मीर घाटी के विभिन्न जिलों में छह हजार ट्रांजिट आवास के निर्माण को भी मंजूरी दी है। सर, यह निर्माण की वर्तमान स्थिति है। निर्मित किए जाने वाले फ्लैटों की संख्या कुल 6,000 है, पूर्ण किए गए फ्लैटों की संख्या 2,088 है, शेष फ्लैटों के निर्माण का कार्य प्रगति पर है। सभापति महोदय, जहां तक इन्होंने नौकरियों की बात कही है, तो कश्मीर घाटी में कश्मीरी विस्थापित, कश्मीरी पंडितों और हिंदुओं की वापसी और पुनर्वास की सुविधा के लिए पीएमडीपी, 2015 के तहत भारत सरकार ने कश्मीरी विस्थापितों के अतिरिक्त 3,000 पदों को सृजित किया और अब तक कुल 6,000 पदों में से 5,724 पदों के लिए उम्मीदवारों कि नियुक्ति कर दी गई है तथा शेष 276 पदों को पूरा भरा जा रहा है।

सभापति महोदय, इस प्रकार से वहां पूरा ख्याल रखा जा रहा है, चाहे उनका पुनर्वास हो, उनको नौकरी मिले, वहां पर शांति बहाल हो, वहां पर उस स्थिति में लोग वापस हो रहे हैं, उनका मनोबल बढ़ा है। आज हम यह कह सकते हैं कि जो भी व्यक्ति विस्थापित हुए हैं, आने वाले भविष्य में हम उनका पुनर्वास और उनको नौकरी देने का काम करेंगे। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Dr. Fauzia Khan. *...(Interruptions)...* Please. Hon. Members, if you would have carefully gone through the reply, I am sure you would be happy to note -- I don't want to reflect on details -- that last year we had two crore tourists; this time, before June, as per the reply, we have already crossed the half-way mark. Dr. Fauzia Khan.

DR. FAUZIA KHAN: Sir, before I ask my question, I would like to draw your attention to the digital dashboard here. We are not getting any replies to the questions here on the dashboard. We should get to see the replies here before we put a supplementary question. Regarding this Question, the Minister has said that the tourism sector has grown, but I would like to point out that it has remained unregulated...

MR. CHAIRMAN: One minute, hon. Member. I myself check and the replies are loaded. They are loaded, Madam. You only have to operate it. All are loaded. Otherwise, how would I know?

DR. FAUZIA KHAN: No, Sir. It is not there on my dashboard.

MR. CHAIRMAN: Doesn't matter. Just have a cup of coffee with me in my Chamber. Things will be sorted out. Your supplementary now.

DR. FAUZIA KHAN: All right, Sir. Thank you.

Sir, my point is that tourism remains unregulated and such unregulated tourism in an ecologically fragile ecosystem has resulted in increasing pollution in the water bodies and generation of huge amounts of waste and greenhouse gases like Carbon-dioxide. What measures are being taken to ensure sustainable tourism development in the region? Is the Government planning to develop a specific eco-tourism policy in the Union Territory based on sustainable models?

श्री नित्यानन्द राय: सभापति महोदय, मैं माननीय सदस्या को बताना चाहूंगा कि 2023 में 2 करोड़ 11 लाख पर्यटक गए हैं। वहां पर सफाई और स्वच्छता की पूरी व्यवस्था की जा रही है। वहां पर शांति का माहौल है, तभी आज वहां पर कई गुना पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। वहां पर स्वच्छता का पूरा ख्याल रखा जा रहा है। हम थोड़े दिन पहले श्रीनगर और आसपास के कई जिलों में गए थे। वहां पर पर्यटकों का पूरी तरह से ख्याल रखा जा रहा है।

सर, वहां पर स्वच्छता के माध्यम से जो हमारे कार्यक्रम चल रहे हैं, उनके माध्यम से वहां पर पर्यावरण का भी पूरा ख्याल रखा जा रहा है। स्वच्छता अभियान के लिए जम्मू-कश्मीर का प्रशासन काम पर लगा है। गृह मंत्रालय ने भी उसको स्पष्ट रूप से निर्देश दिया है। लेकिन माननीय सदस्य महोदया का जो क्वेश्चन है, उससे तो यह भाव उत्पन्न हो रहा है कि शायद वे जम्मू-कश्मीर के पर्यटन को बढ़ावा नहीं देना चाहती हैं। क्या वे चाहती हैं कि वहां पर पर्यटक नहीं जाएं। ....(**व्यवधान**)...

श्री शक्तिसिंह गोहिल: सर, माननीय मंत्री जी....(**व्यवधान**)...

श्री दिग्वजय सिंह: सर, माननीय मंत्री जी माननीय सदस्या के लिए ....(**व्यवधान**)...

श्री नित्यानन्द राय: इसलिए वे कह रही हैं। ....(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: माननीय मंत्री जी।

श्री नित्यानन्द राय: महोदय, वहां इस प्रकार से ....(**व्यवधान**)... महोदय, वहाँ पर्यावरण पर इसके संभावित प्रभाव का आकलन करने के लिए पर्यटन से संबंधित विकास योजनाओं को मंजूरी देने से पहले गहन पर्यावरण प्रभाव का विश्लेषण किया जाता है। महोदय, व्यापक नियामक ढांचे और विनियम पर्यटन विकास की दिशा तय करते हैं तथा अनुमेय भूमि, उपयोग निर्माण, दिशा निर्देश और पर्यावरणीय मानकों को भी देखा जाता है। इसके साथ ही स्थानीय समुदाय भी निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं, जिससे उनके अपने सांस्कृतिक मूल्य और पारंपरिक ज्ञान अक्षुण्ण रहें। महोदय, वहाँ पर नियमित निगरानी और सख्त प्रबंधन तंत्र के माध्यम से पर्यावरण के नियमों और नैतिक पर्यटन परिपाटियों का अनुपालन भी सुनिश्चित किया गया है।

महोदय, हितधारकों के लिए निरंतर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, पर्यटकों हेतु जागरूकता अभियान के साथ-साथ परिपाटियों और पर्यावरण के सारे सिद्धांतों का भी ख्याल रखा जाता है और इसके लिए जागृति भी पैदा की जाती है।

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, no Member of the House is against wholesome activities in Jammu and Kashmir. So, to that extent, I will look into hon. Minister's observation. Hon. Member, Dr. Fauzia Khan, has always been contributing constructively. Now, Shri Pramod Tiwari. Tiwari*ji*, keep the tempo of decorum. You are a very senior man. And, please put pointed question.

श्री प्रमोद तिवारी: सर, जैसा आप चाहते हैं, वैसा ही होगा। सर, मैं माननीय मंत्री जी से प्वाइंटिड क्वेश्चन पूछना चाहता हूं।

MR. CHAIRMAN: But, point towards me.

श्री प्रमोद तिवारी: सर, मैं आप ही को एड्रेस कर रहा हूं।

महोदय, अगर उनके पास जवाब है, तो यह बता दें कि पिछले दस दिनों के अंदर सीमा पर *अगर उनके पास जवाब नहीं है, तो कोई बात नहीं है। ..(**व्यवधान**)..

MR. CHAIRMAN: Pramodji, you are a senior man.

श्री प्रमोद तिवारी: सर, मंत्री जी इतना ही बता दें कि क्या आतंकवादी गतिविधियाँ ..(**व्यवधान**)..

MR. CHAIRMAN: I don't expect this from you. *...(Interruptions)...* One second. *...(Interruptions)...* Only Mr. Tiwari will speak. Everyone else will take seat. Pramod*ji*, I appeal to you to please confine to the question. It is regarding tourism in the Union Territory of Jammu and Kashmir. *...(Interruptions)...* And, if you have gone through the reply, you will find something enriching for us, soothing for us, wholesome for us. *...(Interruptions)...* Please ask the supplementary.

श्री प्रमोद तिवारी: सर, मैं पूरा कर लेता हूं। मैं प्वाइंटिड क्वेश्चन पूछ रहा हूं। ..(**व्यवधान**)...सर, मैं माननीय मंत्री जी से एक सीधा सवाल पूछ रहा हूं कि जब कोई टूरिस्ट जाता है, तो उसके दिमाग में सबसे बड़ी चिंता सुरक्षा की होती है। ...(**व्यवधान**)...मैं यही कह रहा हूं।

श्री सभापति: एक सेकंड रुकिये, आप अपना प्रश्न पूछिए। .(**व्यवधान**)....

---

* Expunged as ordered by the Chair.

श्री प्रमोद तिवारीः सर, मैं माननीय मंत्री जी से सिर्फ इतना जानना चाहता हूं कि * ..(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: No, this will not go on record. *...(Interruptions)...* माननीय मंत्री जी, प्रमोद तिवारी जी जानना चाहते हैं .(**व्यवधान**)...

श्री नित्यानन्द रायः सभापति जी, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि मैं कोई संकोच नहीं कर रहा हूं। महोदय, मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि मैं इतिहास का विद्यार्थी हूं, मैं जम्मू-कश्मीर के इतिहास को भी जानता हूं, इनके इतिहास को भी जानता हूं और वर्तमान सुरक्षा परिवेश को भी जानता हूं। .(**व्यवधान**)...

श्री प्रमोद तिवारीः सर, माननीय मंत्री जी बताना चाह रहे हैं, आप सुन लीजिए। .(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः एक सेकंड बैठिए। माननीय सदस्यगण, यदि किसी विषय पर एक प्रश्न है, तो यह मंत्री जी और माननीय सदस्य तय नहीं करेंगे कि क्या बोला जाएगा, बल्कि उस विषय पर ही बोला जाएगा और यह वह विषय नहीं है। ...(**व्यवधान**)... मंत्री जी, माननीय सदस्य जानना चाहते हैं कि पर्यटकों की सुरक्षा के लिए आपने क्या इंतजाम किए हैं। माननीय सदस्य, आप यही जानना चाहते हैं?

श्री नित्यानन्द रायः सभापति जी, वहाँ पर पूरा इंतजाम किया गया है। महोदय, अगर माननीय सदस्य जानना चाहते हैं और उनमें सुनने का धैर्य है, तो मैं भी बताना चाहूंगा, परंतु हमें थोड़ा-सा इतिहास में भी जाने की कोशिश करनी चाहिए। .(**व्यवधान**)...

श्री प्रमोद तिवारीः महोदय, टूरिज्म बढ़ा या घटा?

श्री नित्यानन्द रायः सभापति जी, टूरिज्म बढ़ा है।

महोदय, मैं बता रहा हूं कि 2023 में 2 करोड़, 11 लाख पर्यटक गए हैं और यह नंबर क्रमबद्ध बढ़ रहा है। महोदय, कोविड के पूरे कालखंड में कुछ घटा था, लेकिन 2014 से लेकर 2023 और 2024, इन लगातार दो वर्षों में एक रिकॉर्ड बना है, इन दस वर्षों में रिकॉर्ड बना है। महोदय, 2004 से लेकर 2014 तक का जो इनका कालखंड था, ये उसको भी याद करें कि पर्यटक वहाँ पर जाने को कतराते थे और बिल्कुल नहीं जाते थे। महोदय, जहाँ तक सुरक्षा का सवाल है, तो मैं बताना चाहता हूँ कि विगत कुछ दिनों में वहाँ पर 28 आतंकवादी मारे गए हैं। ...(**व्यवधान**)... महोदय, यह विषय दुख का है कि इन घटनाओं में, हमारी उन मुठभेड़ों में, हमारे कुछ फौजियों की भी मौत हुई है, जो दुखद है। ...(**व्यवधान**)... जो आतंकवादी मारे गए हैं, उनसे जो हमारे सैनिक मरे हैं, उनकी संख्या बहुत कम है। ...(**व्यवधान**)... मैं इन्हें बताना चाहता हूँ कि ज़रा...

---

* Expunged as ordered by the Chair.

...(**व्यवधान**)... महोदय, दो मिनट का समय दिया जाए। ...(**व्यवधान**)... इन्होंने बहुत बड़ा विषय उठाया है। ...(**व्यवधान**)... महोदय, मैं इन्हें बताना चाहता हूँ कि 2004 से 2014 तक कुल 7,217 आतंकवादी घटनाएं हुई थीं। ...(**व्यवधान**)... 2014 से 21 जुलाई तक 2,259 घटनाएं हुई हैं, जो नहीं होनी चाहिए थीं, यह दुखद है, लेकिन इस पर वे राजनीति नहीं करें। ...(**व्यवधान**)... मोदी सरकार की आतंकवाद पर ज़ीरो टॉलरेंस है। ...(**व्यवधान**)... उसे समाप्त कर देंगे। ...(**व्यवधान**)... उसे समाप्त कर देंगे। ...(**व्यवधान**)... महोदय, या तो वह जेल में रहेगा, नहीं तो वह जहन्नुम में रहेगा। ...(**व्यवधान**)... मैं यह बिल्कुल आश्वस्त

करना चाहता हूँ। ...(**व्यवधान**)... महोदय, ज़रा देख लीजिए, उस समय नागरिकों और सिक्योरिटी परसन्स की जो कुल मृत्यु हुई थी, दोनों मिलाकर इनके जमाने में, 2004 से 2014 तक 2,829 हुई थीं। ...(**व्यवधान**)... इन दस वर्षों में 2014 से 2021 तक 941 हुई हैं, जिसमें 67 प्रतिशत की कमी आई है और जो इनके दस वर्ष थे और जो मोदी सरकार के दस वर्ष हैं, उनमें आपराधिक घटनाओं में 69 प्रतिशत की कमी आई थी। ...(**व्यवधान**)... नागरिकों की मृत्यु में 80 प्रतिशत की कमी आई है। ...(**व्यवधान**)... धारा 370 हटने के बाद, लगभग 900 आतंकवादियों को अपनी सेना ने, जम्मू-कश्मीर पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स ने मारा है। ...(**व्यवधान**)... जब ये सुरक्षा की बात करते हैं, तो आतंकवाद की नींव तो 15 अगस्त, 1947 को देश के बंटवारे के साथ रख दी गई थी। ...(**व्यवधान**)... जिस समय इन लोगों ने धारा 370 लागू की थी, आतंकवाद की बुनियाद... ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Supplementary No. 5. *...(Interruptions)...* You have made your point.

श्री नित्यानन्द राय: आज वहाँ व्यवस्था है, आज वहाँ उद्योग लग रहे हैं, स्कूल खुले हैं, कॉलेज खुले हैं, अस्पताल में मरीजों का इलाज हो रहा है, बागवानी अच्छे से हो रही है, सड़कें बनाई जा रही हैं और लोग वहाँ चैन के वातावरण में जिंदगी जी रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... शांति है, सुरक्षा की पूरी गारंटी है। ...(**व्यवधान**)... आज आतंकवादियों ने जो भी पहल शुरू की है, वह जल्द समाप्त हो जाएगी। ...(**व्यवधान**)... जैसे बुझता हुआ दीपक फड़फड़ाता है, वैसे ही बुझने के समय आतंकवादी आज अपनी गतिविधियों को जारी करके देखना चाहते हैं। ...(**व्यवधान**)... आज हम बताना चाहते हैं कि उनके मंसूबे पूरे नहीं होंगे, लेकिन इनसे आग्रह जरूर है कि देश की सुरक्षा के संबंध में, सीमा की सुरक्षा के संबंध में और आतंकवाद को समाप्त करने के संबंध में ये राजनीति नहीं करें, वोट का लालच न करें।

MR. CHAIRMAN: Thank you. *...(Interruptions)...* Now, Shri Praful Patel. *...(Interruptions)...* One minute. *...(Interruptions)...* Please take your seat. I have to act as per rules. Please take your seat. *...(Interruptions)...* I have no doubt that every Member of this House and the entire country is with our Armed Forces. We are in one voice with them. Now, Shri Praful Patel.

SHRI PRAFUL PATEL: Sir, the question is related to tourism. Let us keep the temperature of the House like the beautiful weather of Kashmir.

MR. CHAIRMAN: That is what I said. I have already asked to keep the temperature of air conditioning a little lower so that we are cooler. Your suggestion should have come early in the morning. It is slightly late but don't generate more heat now. Am I right, Sir? Please go ahead.

SHRI PRAFUL PATEL: Sir, the question is related to tourism, and, therefore, I will restrict myself to tourism.

MR. CHAIRMAN: I am so happy.

SHRI PRAFUL PATEL: So, I will not increase the temperature of the House by asking anything else. I will ask only my question and give some suggestion.

MR. CHAIRMAN: Suggestions will come during Budget speech and question will come now.

SHRI PRAFUL PATEL: My question is that after the two crore tourist numbers of last year, which is a very satisfying and a good number, we should all be very happy and proud that Kashmir is receiving more than two crore tourists in a year, which helps the economy of Jammu and Kashmir and it is good for the people of Kashmir. After all, they are our citizens. They are patriotic as much as any other Indian.

MR. CHAIRMAN: And your supplementary?

SHRI PRAFUL PATEL: Therefore, it is our duty and the Government of India's duty to see that tourism increases in Jammu and Kashmir.

सर, आर्टिकल 370 के रद्द होने के बाद, वहां पर जमीन खरीदना या और लोगों का वहां पर बसना अब संभव हो चुका है। आज जब हम कश्मीर में 2 करोड़ से 4 करोड़ या जितनी भी मात्रा में टूरिज़्म बढ़ाना चाहते हैं, तो हमको वहां पर हर श्रेणी के होटलों की ज्यादा आवश्यकता होगी। ...(**व्यवधान**)... दूसरी ओर, हमको वहां पर्यटन बढ़ाने के लिए वहां की जो सुंदर-सुंदर नैसर्गिक जगहें हैं, वहां जाने के लिए गडकरी जी के माध्यम से और अच्छी सड़कों की जरूरत है। इन दोनों जरूरतों के संबंध में भारत सरकार निश्चित रूप से बहुत कदम उठा रही है, इसमें मुझे कोई भी शक नहीं है, लेकिन वहां पर होटल्स ज्यादा बनें, हर श्रेणी के होटल्स बनें और सहजता से बने

...(**व्यवधान**)... अच्छी सड़के बनें। मैं यह जानना चाहता हूं कि इसके लिए सरकार की ओर से क्या कदम उठाए जा रहे हैं और उनकी क्या राय है?

श्री नित्यानन्द राय: महोदय, पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने अनेक कदम उठाए हैं, जैसे एक तो नीतिगत पहल की गई है, होम स्टे, पेइंग गेस्ट हाउस का प्रावधान किया गया है और हाउस बोट की भी व्यवस्था की गई है। वहां सीमावर्ती गांव में भी पर्यटन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। वहां गुलमर्ग गोंडोला जैसे कुछ प्रमुख चिन्हित क्षेत्र हैं। गुलमर्ग गोंडोला में वर्ष 2022 में 8,54,496 पर्यटक पहुंचे। वहां की आमदनी की बात भी कही गई। 2022 में 91 करोड़ और अब 2023 में 10,13,458 पर्यटकों के द्वारा 108 करोड़ राजस्व की प्राप्ति की गई है। सर, वहां ढांचागत विकास कार्य किए गए हैं। पटनीटॉप में भी विकास कार्य किए गए हैं। जम्मू में रोपवे बनाया गया है। जम्मू और श्रीनगर में युवक और युवतियों के लिए दो गॉल्फ कोर्स एवं जम्मू तवी में दो गॉल्फ कोर्स बनाए गए है, ताकि वह स्थान पर्यटकों और खिलाड़ियों को भी आकर्षित कर सके। प्रधान मंत्री पैकेज योजना के तहत वहां ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: He is replying correctly. Dr. John Brittas, the hon. Minister is responding pointedly. Listen to him. ...(Interruptions)... Please, go ahead.

श्री नित्यानन्द राय: सर, उन्होंने कहा कि वहां बढ़ावा देने के लिए आप क्या कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... वहां कई राजमार्ग बन रहे हैं। टनल भी लगभग कम्प्लीट है, जिससे वहां दूरी काफी कम होगी। वहां जम्मू और कश्मीर को पर्यटन के लिए अनेकों सम्मान प्राप्त हुए हैं। गुलमर्ग बेस्ट एडवेंचर टूरिज़्म अवॉर्ड, गुरेज को बेस्ट ऑफबीट राष्ट्रीय पुरस्कार के साथ वहां डल झील के लाइट एंड साउंड शो को भी पुरस्कार मिला है। इससे वहां विश्वास बढ़ा है और वहां जी20 का भी कार्यक्रम हुआ था।

महोदय, जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार पर्यटक बन गया है और वह लोगों को रोजगार प्रदान करता है। ...(**व्यवधान**)... जम्मू-कश्मीर के क्षेत्र में अब तक लगभग 5 लाख लोगों को पर्यटन के माध्यम से, पर्यटकों के माध्यम से सुविधा हुई है। वहां की अर्थव्यवस्था में पर्यटन का योगदान 2022-2023 में 17,522 करोड़ का था और पिछले तीन वर्षों के दौरान यह वार्षिक औसत वृद्धि दर 15.13 प्रतिशत है। इसलिए वहां की अर्थव्यवस्था में पर्यटकों और पर्यटन का निश्चित रूप से बहुत बड़ा योगदान है।

MR. CHAIRMAN: I think you are satisfied. I think we can congratulate the hon. Minister for being so thorough with the reply. Now, Q. No.17. Shri Beedha Masthan Rao Yadav. ...(*Interruptions*)...

SHRI MUZIBULLA KHAN: Sir, ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: I don't appreciate this. ...(*Interruptions*)... I don't appreciate this. ...(*Interruptions*)... Nothing will go on record. ...(*Interruptions*)... Hon. Member, don't force me. ...(*Interruptions*)... Please don't force me. ...(*Interruptions*).. This is not the way. You are in the Upper House. Always remember this. The world is looking at us. Shri Beedha Masthan Rao Yadav.